राजस्व विभाग

युद्धः जागीर

दिनांक 3 सितम्बर, 1979

कमांक 1310 - ज(I) - 79/35958 - - को रामनाय, पुत्र की बहुरावर, गांव बताना, तहसील व जिता महेन्द्रगढ़, की दिनांक 5 मई, 1978 की हुई मृत्यु हे परिशानस्वरूप हरियाणा के राज्यपास, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में प्रमास गर्य है और प्रात्र तक मंजीवन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (१ए) तथा 3(१ए) के अनुसार सीं गये प्रविकारों का प्रयोग करते हुए श्री रामनाथ की मृन्तिय 190 रुपये वाधिक की जागीर जो इसे हिरियाणा सरकार की प्रधिमुलना कमांत 1314 - ज(I) - 72/24191, दिनांक 29 जूनाई, 1972 हारा मंजूर की गई थी, प्रव उसकी विश्ववा श्रीमती मनकली है नाम वारीक, 1978 में 150 रुपये वाधिक की दर से सनद में वी गई वार्ती के प्रन्तांत महबं वान करते हैं।

क्रमांक 1144-ज($\mathbb{I}(79/35)$ 9%--प्रेरणा परवार, राजस्य विभाग, युद्ध नागीर श्रधिसूचना क्रमांक 316-ज $(\mathbb{I}(1)-79/17132)$, दिनोक 11 प्रमेत 1979 को पुंदित हुई है, के क्रमांक 1पर वाँगत जागीरदार श्री भरपाल सिंह, पुत्र श्र हिस्सा की वजाब श्री भरपाल मिंह, पुत्र श्री हिस्सा पढ़ा जाये ।

दिनांक 4 सितम्बर, 1979

कर्माक 1257-ज (I)-79/35964. —पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनायां गया है भीर उस में आज तक संबोधन किया गया है) की धारा 2 (ए) (१ए) तथा 3(१ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों के अयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल निम्नलिधिन व्यक्तियों को वाधिक कीमत वाली युद्ध जागीर उनके नाम के सामने दी नई फसल तथा राशि एवं सनद में दो गई शतों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं :—

क्रमांक	विमा	. जागीर पाने वाले का नाम	गांव व पता	तहसील	फ़सल/वर्षंजब से जागीर दी गई	वार्षिक रा शि
1	2	3	4	5	6	7
,						रु पये
1	महेन्द्रगढ़	श्री राजा राम, पुत श्री झन्डासिंह	ईमलामपुरा, नारनौल	नारनौल	खरीफ़, 1974	150
2	,,	श्री पयोदत, पुत श्री चन्द्रभान	প ৃদ্ ব ী	महेन्द्र गढ़	रबी, 1973	150

दिनांव 5 सितम्बर, 1979

कर्मांक 1259-ज(II)-79/36000.—पूर्वी वंजाब यह पुरस्कार अधितियम, 1948 (जैता कि उसे हरिकाणा राज्य में अपनावा गया है और उसमें आज तक संगोजन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तया 3 (1ए) के अनुसार सींचे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरिजाणा के राज्यों व अंति शिवारी देशी विश्वा श्री पर्नु राम, गांव गंगोली, तहसील सफीदों, जिला जीन्द, को रखी. 1969 से रखी, 1070 तक 100 कार्य तथा खरीक, 1970 से 150 व्यवे वाधिक कीमत बाली मुंद जागीर अने में दी गई शर्ती के अनुसार सहबं प्रतान करते हैं।

कमांक 1312-ज(II)-79/36004.--पूर्वो पंजार मुद्ध पुरस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे इरिकाणा शक्य में अपनाया गया है भीर इसमें भाज तक संयोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1ए) के धनुसार सौंपे गवे भिक्कारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीम तो माना देवी, विश्ववा जी रितिया, गांव ग्रहर, तहसील पानीपत, बिला करनाल, की रखी, 1973 में 150 ए० वाधिक कीमत वाली युद्ध जागीर मनद में बी गई शतों के श्रनुसार महवं प्रदान करते हैं

रघुनाथ जोजी, विशेष कार्य ग्रक्षिकारी, हरियाणा सरकार,, राजस्व विभाग।